AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नई व्यवस्था | स्नातक के प्राचीन भारतीय इतिहास, पुरातत्व, रक्षा अध्ययन के पाठ्यक्रम में किए जाएंगे बदलाव

अयोध्या उत्खनन और पुलवामा हमला पढ़ेंगे लविवि के छात्र

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय का प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग स्नातक के विद्यार्थियों को अयोध्या उत्खनन भी पढ़ाएगा। नई शिक्षा नीति के तहत होने वाले बदलावों के तहत विभाग ने इसे अपने सिलेबस में शामिल करने का फैसला किया है।

इसके तहत बीए चतुर्थ सेमेस्टर के आठवें पेपर फील्ड आर्कियोलॉजी के चौथे यूनिट में अयोध्या के उत्खनन के साथ ही भीमबेटका, कालीबंगा और हस्तिनापुर को भी शामिल किया गया है। उधर, रक्षा अध्ययन विभाग ने पुलवामा हमले को सिलेबस का अंग बनाया गया है।

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि अयोध्या उत्तर प्रदेश में स्थित एक प्राचीन नगर है जिसका उल्लेख रामायण, महाभारत तथा विभिन्न पुराणों में मिलता है।

पुराणों के अनुसार इस नगर को इक्ष्वाकु वंश के मनु ने बसाया था। उसके बाद उनकी पीढ़ी में दशरथ, राम आदि ने शासन किया। बाद के ग्रंथों में इसे कोसल के नाम से जाना गया। बाद में इसके दो भाग कर दिए गए- उत्तर कोसल और दक्षिण कोसल। उत्तर कोसल की राजधानी श्रावस्ती तथा दक्षिण कोसल की राजधानी कुशावती बताई गई है। प्राचीन

ग्रंथों में उल्लेख है कि यह नगर सरयू नदी के किनारे बसा हुआ था। रघुवंश में भी इसका उल्लेख मिलता है।

फादर ऑफ इंडियन आर्कियोलॉजी कहे जाने वाले अलेक्जेंडर कनिंघम ने लगभग 1862-63 में अयोध्या का सर्वे करवाया था। 1889-91 के मध्य ए. फ्यूहरर ने भी अयोध्या का सर्वे किया था। चीनी यात्री फाह्यान इसे शा-ची के नाम से पुकारता है। इसके बाद अयोध्या में 1969-1970 ईसवी में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अवध किशोर नारायण ने पुरातात्विक उत्खनन किया था।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रो. बीबी लाल ने 1975 से 1985 के मध्य, रामायण से संबंधित विभिन्न स्थलों जैसे भारद्वाज आश्रम नंदीग्राम (अयोध्या), चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज) का पुरातात्विक उत्खनन कराया था। 2003 में कनाडा के भौतिक शास्त्री (जियो फिजिसिस्ट) प्लॉट रवि लॉयड ने जीपीआर सर्वे किया और बताया कि 0.5 मीटर से 5.5 मीटर तक की गहराई में विभिन्न संरचनाएं मालूम पड़ रही हैं। इसी यहां पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की तरफ से हरी मांझी और बीआर मणि ने पुरातात्विक उत्खनन कराया था। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विषय के फील्ड आर्कियोलॉजी की चौथी यूनिट में शामिल किया गया है। डॉ. ओपी शुक्ला ने बताया कि इसके साथ ही सिलेबस में कई अन्य महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

रक्षा में भी कई बदलाव

लविवि के रक्षा अध्ययन विभाग ने भी नई शिक्षा नीति के तहत अपने सिलेबस में बदलाव किया है। इसके तहत पुलवामा हमले को सिलेबस का अंग बनाया गया है। डॉ. ओपी शुक्ला ने बताया कि इसके साथ ही सिलेबस में कई अन्य महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

NBT PAGE 1

बदला पाठ्यक्रम | प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने बीए (एनईपी) के सिलेबस में किया शामिल

LU में पढ़ाया जाएगा श्रीराम और अयोध्या का इतिहास

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी (LU) में अयोध्या के इतिहास, भगवान श्रीराम और उनकी वंशावली के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाएगा। LU प्रशासन ने प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विभाग (AIH) को इसी सत्र से इसे कोर्स में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। अयोध्या के इतिहास में अलग-अलग समय में रामनगरी और इसके आस-पास के इलाकों में हुए उत्खनन और इनमें मिले पुरातात्विक अवशेषों के बारे में भी पढ़ाया जाएगा। अयोध्या के इतिहास को बीए (एनईपी) के चौथे सेमेस्टर के आठवें पेपर फील्ड आर्कियोलजी की चौथी यूनिट में शामिल किया गया है।

विभाग के हेड प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि अयोध्या यूपी का काफी प्राचीन नगर है, जिसका उल्लेख रामायण, महाभारत और पुराणों में मिलता है। पुराणों के अनुसार इस नगर को राजा मनु ने बसाया था। इसके बाद इक्ष्वाकु, दशरथ और भगवान श्रीराम आदि ने यहां शासन किया। प्रो. भार्गव का कहना है कि अयोध्या के राजाओं के इतिहास के साथ इस नगरी के महत्व और प्रासंगिकता को भी कोर्स में शामिल किया गया है। इसके अलावा अलग-अलग समय में यहां हुए उत्खनन में अलग-अलग कालों से संबंधित मृदभांड, मृण्मूर्तियां, पाषाण मूर्तियां, अभिलेख, मुहरें, मुद्रा छाप और सिक्कों के बारे में भी पढ़ाया जाएगा।

> अयोध्या देश के प्राचीन नगरों में एक है। छात्र अयोध्या के बारे में विस्तार से जान सकें, इसलिए इसके इतिहास को कोर्स में शामिल किया गया है। इसी सत्र से इसकी पढ़ाई शुरू कर दी जाएगी। - प्रो. पीयूष भार्गव, विभागाध्यक्ष, एआईएच, एलयू

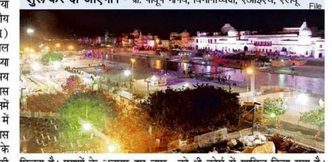

File

3,000 साल से ज्यादा पुराना है इतिहास

विभाग के शिक्षक डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कक्षा छः स्नाथ-स्नाथ पर हुए उत्खनन की रिपोर्ट के मुताबिक अयोध्या का इतिहास तीन हजार साल से भी ज्यादा पुराना बताया जाता है। कोर्स में अलेक्जेंडर कनिंघम (फादर ऑफ इंडियन आर्कियॉलजी) द्वारा 1862-63 के आस्पास करवाए गए सर्वे को भी शामिल किया गया है। 1889-91 के दौरान ए. फ्यूहरर ने भी अयोध्या का सर्वे किया था। इसके अलावा अन्य सर्वे और उत्खनन में सामने आए तथ्य, अयोध्या के तमाम नाम और चीनी यात्री फाह्यान इसे शा-ची के नाम से क्यों पुकारते थे, इसके बारे में भी पढ़ाया जाएगा।

ASI के सर्वे को भी शामिल किया

कोर्स में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की ओर से साल 2002-03 में किए गए पुरातात्विक उत्खनन को भी शामिल किया गया है। इस उत्खनन में अभिलेख, मुहरे, विग्रह और सिक्के आदि मिले थे। इस उत्खनन और इससे मिले पुरातात्विक अवशेषों ने राममंदिर के संबंध में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा अयोध्या से जुड़े अन्य प्राचीन स्थल भीमबेटका, कालीबंगा और हस्तिनापुर की पुरातात्विक खोदाई को भी कोर्स में शामिल किया गया है।

TOI PAGE 3

LU archaeology students to learn about excavation sites in Ayodhya

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University's Ancient Indian History and Archaeology (AIHA) department will be teaching undergraduate students all about excavation sites in Ayodhya from the new academic session 2023-24. Along with Ayodhya, other ancient sites like Bhimbetka, Kalibanga and Hastinapur have also been included.

The changes in the syllabus have been made under the National Education Policy (NEP-2020) which focuses on giving a boost to research. According to University officials, inclusion of these new excavations sites along with the study of the previously taught important sites like Nalanda and others will further strengthen research and also open new areas of research for the students at the undergraduate level.

"We want students to study new and updated curriculum hence along with popular important ancient sites, some new sites have also been included in the curriculum. These sites will be taught to BA students in Field Archeology unit in the fourth semester," said AIHA department head Prof Piyush Bhargava.

He said Ayodhya is an ancient city located in Uttar Pradesh, which finds mention in Ramayana, Mahabharata and various Puranas. According to Puranas, this city was established by Manu of Ikshvaku dynasty. It's importance is evident from the fact that Alexander Cunningham, who is called the Father of Indian Archaeology conducted a survey on Ayodhya.

Ram Temple jalabhishek to be done with holy water from 155 nations today

New Delhi: Jalabhishek of upcoming Ram temple in Ayodhya will be performed with holy water from 155 nations on Sunday amid chanting of mantras and in the presence of NRIs from 40 countries. Delhi Study Group president and ex-MLA Vijay Jolly said Bhutan King Jigme Khesar Namgyel Wangchuck, Fiji PM Sitiveni Rabuka, Sri Lanka President Ranil S Wickremesinghe, Cambodia Prime Minister Hun Sen, Suriname President Chandrikapersad 'Chan' Santokhi have praised this unique and historic initiative.

The five heads of states in their goodwill message termed this initiative as a symbol of promoting global harmony, peace, prosperity and happiness to India and the world, said Jolly. Defence minister Rajnath Singh and Chief Minister Yogi Adityanath will attend the Ayodhya event. TNN

12वीं में फर्स्ट क्लास, तभी बीकॉम ऑनर्स में दाखिला

लविवि ने दाखिले के लिए तय की 60 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में दाखिले के लिए सबसे ज्यादा मारामारी भले ही एलएलबी ऑनर्स के लिए मचती हो, लेकिन सबसे तगड़ी अर्हता बीकॉम ऑनर्स पाठ्यक्रम के लिए रखी गई है। इसमें दाखिले के लिए सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 12वीं में 60 फीसदी नंबर लाना अनिवार्य है। वहीं, एससी-एसटी अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता तय की गई है।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदन फॉर्म भरने से पहले अभ्यर्थी अपने प्राप्तांक और न्यूनतम अर्हता जरूर जांच लें।

बीकॉम ऑनर्स में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने 60-55 फीसदी न्यूनतम अंक तय किए हैं। वहीं, बीकॉम में यह सीमा सामान्य और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए 40 तथा एससी-एसटी वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 33 फीसदी तय की है। बीए, बीएससी और बीकॉम में भी न्यूनतम अंक सीमा यही तय की गई है। एलएलबी ऑनर्स पाठ्यक्रम में सामान्य अभ्यर्थियों के लिए 45, ओबीसी के लिए 42 और एससी-एसटी अभ्यर्थियों के लिए 40 फीसदी निर्धारित है। बीएससी एग्रीकल्चर में 12वीं में न्यूनतम अंक सीमा सामान्य और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए 45 और एससी-एसटी वर्ग के लिए 40 फीसदी है। इससे कम अंक होने पर उनको प्रवेश नहीं मिलेगा। भले ही वे प्रवेश परीक्षा में सफल हो जाएं।

अन्य पाठ्यक्रमों के लिए भी तय की गई है अर्हता

बीएलएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए किसी भी वर्ग के अभ्यर्थी को न्यूनतम अंक सीमा में छूट नहीं दी गई है। सभी अभ्यर्थियों को 12वीं में एक समान 50 फीसदी नंबर लाने पर ही दाखिले के लिए अर्ह माना जाएगा। प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर उनको दाखिला मिलेगा।

31 मई है आवेदन की अंतिम तारीख

लविवि में स्नातक स्तर पर दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 31 मई तय की गई है। इसके बाद 15 से 25 जून के बीच प्रवेश परीक्षा का आयोजन होगा। सात जुलाई को इसका रिजल्ट जारी किया जाएगा। 10 जुलाई से 31 जुलाई के बीच विभिन्न चरण में काउंसलिंग की जाएगी।

बीएलएड में 50 फीसदी से कम पर दाखिला नहीं

बीएलएड पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए किसी भी वर्ग के अभ्यर्थी को न्यूनतम अंक सीमा में छूट नहीं दी गई है। सभी अभ्यर्थियों को 12वीं में एक समान 50 फीसदी नंबर लाने पर ही दाखिले के लिए अर्ह माना जाएगा। प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर उनको दाखिला मिलेगा।

आठ मेधावियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल ने 10 अप्रैल को सुरजीत फाइनेंस कंपनी की एक सफल प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया था। रविवार को इसका परिणाम घोषित किया गया। इसमें कुल आठ मेधावियों को प्लेसमेंट मिला। सेल की निदेशक डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में स्नेहल राय, विशाल सिंह, सिद्धांत सिंह, मृत्युंजय सिंह, सुचिता तिवारी, प्रीति शुक्ला, विशाल रावत, अमरदीप कुमार शामिल हैं। इनको ट्रेनिंग के दौरान 2.30 से 3.00 लाख रुपये प्रतिवर्ष तथा बाद में चार से पांच लाख रुपये प्रति वर्ष के पैकेज पर रखा जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

आंबेडकर हॉस्टल में मना वार्षिक उत्सव

लखनऊ। लविवि के डॉ. बी. आर. आंबेडकर गर्ल्स हॉस्टल में शनिवार शाम को वार्षिक उत्सव और पूर्व छात्र मिलन- आगाज 2023 का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति की पत्नी संगीता राय तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, निदेशक सीपीसी प्रो. मधुरिमा लाल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में पुरा छात्रों रजत यादव (न्यायिक मजिस्ट्रेट, फतेहपुर), प्रीति (न्यायिक मजिस्ट्रेट, फतेहपुर), रणंजय सिंह (न्यायिक मजिस्ट्रेट, फैजाबाद), डॉ. मुद्रा (सहायक प्रोफेसर) को सम्मानित किया गया। समारोह का समन्वय प्रोवोस्ट डॉ. अर्चना सिंह और सहायक प्रोवोस्ट डॉ. कौमुदी सिंह ने किया। (संवाद)

एलयू में आज से होगा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू में सोमवार और मंगलवार को सिविल, मिकेनिकल ऐंड इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग की नई तकनीक पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन होगा। विभाग के डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि सम्मेलन का उद्घाटन तकनीकी शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण, वजन और माप मंत्री आशीष पटेल करेंगे। कार्यक्रम में आईआईटी मद्रास के प्रो. एके वर्मा, आईईटी लखनऊ के प्रो. कुलदीप सहाय समेत देश भर के तमाम विशेषज्ञ नई तकनीकों पर व्याख्यान देंगे। इसके अलावा यूके, इथियोपिया, ओमान व नाइजीरिया के शिक्षक व स्टूडेंट ऑफलाइन-ऑनलाइन मोड में अपने शोधपत्र पेश करेंगे।

लखनऊ विवि के 8 स्टूडेंट्स को नौकरी का ऑफर

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू के 8 एमबीए स्टूडेंट्स को सुरजीत फाइनैंस कंपनी से नौकरी का ऑफर मिला है। कंपनी ने 10 अप्रैल को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के तहत कई स्टूडेंट्स का इंटरव्यू लिया था, जिसके नतीजे रविवार को जारी हुए। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की निदेशक डॉ. मधुरिमा लाल ने बताया कि स्नेहल राय, विशाल सिंह, सिद्धांत सिंह, मृत्युंजय सिंह, सुचिता तिवारी, प्रीति शुक्ला, विशाल रावत और अमरदीप कुमार को मैनेजमेंट ट्रेनी का ऑफर मिला है। ट्रेनिंग के दौरान इन्हें 2.3 से 3.0 लाख सालाना और ट्रेनिंग होने के बाद 4 से 5 लाख सालाना पैकेज मिलेगा।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस में एलयू के स्टूडेंट्स बनेंगे वॉलंटियर

करीब 1250 स्टूडेंट्स ने अभी तक किया आवेदन

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊः भारतीय विज्ञान कांग्रेस में एलयू के स्टूडेंट्स को वॉलंटियर बनाया जाएगा। इसके लिए अभी तक करीब 1250 स्टूडेंट आवेदन कर चुके हैं। इन स्टूडेंट की ड्यूटी गेस्ट के साथ व अन्य गतिविधियों में लगाई जाएगी।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एलयू में 3 से 7 जनवरी 2024 को होगी। इसके लिए लोकल सेक्रेटरी डीएसडब्ल्यू प्रो.पूनम टंडन को बनाया गया है। उन्होंने बताया कि वॉलंटियर के लिए एलयू के स्टूडेंट्स को जुड़ने के लिए कहा गया था। अभी तक 1250 स्टूडेंट्स फॉर्म भर चुके हैं। इन स्टूडेंट्स की स्क्रीनिंग कमिटी स्क्रीनिंग करेगी। इसके बाद चयन होगा। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि साइंस साइड के स्टूडेंट्स की ड्यूटी वैज्ञानिकों के साथ लगाई जागी। इसके अलवा स्टूडेंट्स की रुचि किसी तरह के कार्य में सहयोग करने की हैं,उसे देखते हुए भी ड्यूटी लगाई जाएगी।

डीएसडब्ल्यू ने बताया कि कुछ स्टूडेंट्स की ड्यूटी विदेशी मेहमनों के साथ ट्रांसलेटर के रूप में भी लगाई जाएगी। जिससे कि विदेशी महमानों को लखनऊ व अन्य टूरिस्ट प्लेस में घूमने में कोई दिक्कत न हो। स्टूडेंट्स की वॉलंटियर के तौर पर ड्यूटी शिफ्ट में लगाई जाएगी। डीएसडब्ल्यू का कहना है कि इस बात पर भी विचार चल रहा है कि वॉलंटियर के लिए जिन स्टूडेंट्स की ड्यूटी लगाई जाए, उनका ड्रेस कोड भी तय किया जाए।

TOI PAGE 3

एलयूः अयोध्या की खोदाई पढ़ेंगे छात्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं अब अयोध्या के उत्खनन को भी पढ़ सकेंगे। बीएएनईपी के चतुर्थ सेमेस्टर के आठवें पेपर फील्ड आर्कियोलॉजी की चौथी यूनिट में अयोध्या के उत्खनन को पहली बार शामिल किया गया है। अयोध्या के साथ अन्य प्राचीन स्थल भीमबेटका, कालीबंगा और हस्तिनापुर के उत्खनन को भी शामिल किया गया है।

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि अयोध्या उत्तर प्रदेश में स्थित एक प्राचीन नगर है। जिसका उल्लेख रामायण, महाभारत तथा विभिन्न पुराणों में मिलता है। पुराणों के अनुसार इस नगर को इक्ष्वाकु वंश के मनु ने बसाया था। उसके बाद उनकी पीढ़ी में दशरथ, राम आदि ने शासन किया।

> प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विषय के आर्कियोलॉजी के पेपर में स्नातक एवं परास्नातक के छात्रों को महत्वपूर्ण पुरास्थलों के उत्खनन के बारे में पढ़ाया जाता है। ये प्रक्रिया का भाग है। प्रो . पीयूष भार्गव, विभागाध्यक्ष प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग

उन्होंने बताया कि अलेक्जेंडर कनिंघम जिन्हें फादर ऑफ इंडियन आर्कियोलॉजी कहा जाता है ने बताया है कि अयोध्या का उल्लेख साकेत के रूप में भी हुआ है।

HINDUSTAN PAGE 6

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को पढ़ाया जाएगा अयोध्या का इतिहास

अयोध्या का इतिहास पढ़ेंगे छात्र

लखनऊ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को पढ़ाया जाएगा अयोध्या का इतिहास

1969 में सबसे पहले काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अवध किशोर नारायण ने किया पुरातात्विक उत्खनन

1975 से 1985 के मध्य रामायण से संबंधित विभिन्न स्थलों का कराया था पुरातात्विक उत्खनन

LUCKNOW (16 April): लखनऊ विश्वविद्यालय के बीए के छात्र-छात्राएं अपने कोर्स में अब अयोध्या के इतिहास के बारे में विस्तार से पढ़ सकेंगे. विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने बीए (एनईपी) के चौथे सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले आठवें पेपर फील्ड आर्कियोलजी की चौथी यूनिट में अयोध्या के उत्खनन को शामिल किया है. इसी के साथ अन्य प्राचीन स्थल जैसे मध्य प्रदेश के भीमबेटका, राजस्थान के कालीबंगा और मेरठ के हस्तिनापुर के उत्खनन को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है.

कई ग्रंथों में है उल्लेख

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि अयोध्या उत्तर प्रदेश में स्थित एक प्राचीन नगर है जिसका उल्लेख रामायण, महाभारत तथा विभिन्न पुराणों में मिलता है.

पुराणों के अनुसार इस नगर को इक्ष्वाकु वंश के मनु ने बसाया था. उसके बाद उनकी पीढ़ी में दशरथ, राम आदि ने शासन किया. बाद के ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि अयोध्या जो कि कोशल के नाम से विख्यात थी, बाद में इसके दो भाग कर दिए गए - उत्तर कोसल और दक्षिण कोसल. उत्तर कोसल की राजधानी श्रावस्ती तथा दक्षिण कोसल की राजधानी कुशावती बताई गई है. प्राचीन ग्रंथों में उल्लेख है कि यह नगर सरयू नदी के किनारे बसा हुआ था. रघुवंश में भी इसका उल्लेख मिलता है.

1862 में हुआ था अयोध्या का सर्वे

1969-1970 में हुआ था पुरातात्विक उत्खनन

प्रो. भार्गव के मुताबिक काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अवध किशोर नारायण ने अयोध्या में सबसे पहले सत्र 1969-1970 ई. में पुरातात्विक उत्खनन कर इसे 17वीं शताब्दी ईसा पूर्व से संबंधित बताया था. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रो. बीबी लाल ने 1975 से 1985 के मध्य रामायण से संबंधित विभिन्न स्थलों जैसे भारद्वाज आश्रम नंदीग्राम (अयोध्या), चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज) का पुरातात्विक उत्खनन कराया था.

नौ सांस्कृतिक काल

2003 में कनाडा के भौतिक शास्त्री (जियो फिजिसिस्ट) प्लाट रवि लायड ने जीपीआर सर्वे कर बताया था कि 0.5 मीटर से 5.5 मीटर तक की गहराई में विभिन्न संरचनाएं मालूम पड़ी हैं. 2002-03 सत्र में ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की तरफ से हरी मांझी और बीआर मणि ने पुरातात्विक उत्खनन कराया. यहां पर हुए पुरातात्विक उत्खनन से कुल 9 सांस्कृतिक कालों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई. यहां प्राचीनतम अधिवास उत्तर कृष्ण मार्जित काल का प्राप्त हुआ है. उत्खनन में यहां से उपरोक्त कालों से संबंधित मृदभांड, मृण्मूर्तियां, पाषाण मूर्तियां, अभिलेख, मोहरें एवं मुद्रा छाप और सिक्के आदि प्राप्त हुए हैं.

डिजिटल टेक्नोलाजी पर चर्चा

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में संमवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में होगी. रीसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग पर होने वाले इस सम्मेलन का उद्घाटन तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल करेंगे. विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह और सम्मेलन के अध्यक्ष कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय होंगे.

शोधपत्र प्रस्तुत करेंगे

सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान होंगे. साथ ही देश-विदेश से आए हुए 50 शोध पत्रों की भौतिक प्रस्तुति एवं 30 शोध पत्रों की आनलाइन प्रस्तुति शिक्षक एवं छात्र करेंगे. डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि पहले दिन मुख्य वक्ता आइआइटी मद्रास के प्रोफेसर एके वर्मा 'प्रोडक्ट डिजाइन' विषय पर विचार रखेंगे. आइईटी लखनऊ के प्रो. कुलदीप सहाय डिजिटल टेक्नोलाजी पर व्याख्यान देंगे. संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्रोफेसर पीके सिंह टालरेंस एनालिसिस एंड यील्ड एस्टीमेशन में सिमुलेशन का उपयोग बताएंगे. आइईटी लखनऊ की प्रो. सीतालक्ष्मी नवीकरणीय ऊर्जा पर बात करेंगी. 18 अप्रैल को पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं एक्सपर्ट टाक होगी. संवानिवृत्त अतिरिक्त महाप्रबंधक, एचएएल लखनऊ इंजीनियर अभिताभ बनर्जी 'इंडस्ट्री 4.0' विषय पर व्याख्यान देंगे.

गर्ल्स हॉस्टल में मना वार्षिक उत्सव

LUCKNOW (16 April): डॉ. बीआर अम्बेडकर गर्ल्स हॉस्टल ने अपना वार्षिक उत्सव और एल्युमिनाई मीट आगाज 2023 कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एलयू कुलपति की पत्नी संगीता राय रहीं. उनके साथ अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन, प्रो. चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, निदेशक सीपीसी प्रो. मधुरिमा लाल भी मौजूद रहीं. एलएलबी की छात्राओं ने डांस और नाटक का प्रदर्शन किया, जिसे अतिथियों ने खूब सराहा. तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन मिस फ्रेशर्स एंड मिस फेयरवेल, आगाज 2023 शीर्षक देकर किया गया. समारोह का समन्वय डॉ. अर्चना सिंह (प्रोवोस्ट) और डॉ. कौमुदी सिंह (सहायक प्रोवोस्ट) ने किया. इस दौरान लॉ हॉस्टल के पूर्व स्टूडेंट्स प्रीति (न्यायिक मजिस्ट्रेट, फतेहपुर), रजत यादव (न्यायिक मजिस्ट्रेट, फतेहपुर), रणंजय सिंह (न्यायिक मजिस्ट्रेट, फैजाबाद), डॉ. मुद्रा (सहायक प्रोफेसर) और अन्य अधिकारी शामिल हुए, जिन्हें सम्मानित किया गया.

JAGRAN CITY PAGE IV

लवि के विद्यार्थी पढ़ेंगे अयोध्या का इतिहास

बीए (एनईपी) के चौथे सेमेस्टर के आठवें पेपर फील्ड आर्कियोलाजी में किया शामिल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के बीए के छात्र-छात्राएं अपने कोर्स में अब अयोध्या के इतिहास के बारे में विस्तार से पढ़ सकेंगे। विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग ने बीए (एनईपी) के चौथे सेमेस्टर में पढ़ाए जाने वाले आठवें पेपर फील्ड आर्कियोलाजी की चौथी यूनिट में अयोध्या के उत्खनन को शामिल किया है। इसी के साथ अन्य प्राचीन स्थल जैसे मध्य प्रदेश के भीमबेटका, राजस्थान के कालीबंगा और मेरठ के हस्तिनापुर के उत्खनन को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीयूष भार्गव ने बताया कि अयोध्या का उल्लेख रामायण, महाभारत तथा विभिन्न पुराणों में मिलता है। पुराणों के अनुसार इस नगर को मनु ने बसाया था। उसके बाद उनकी पीढ़ी में दशरथ, श्रीराम आदि ने शासन किया।

राष्ट्रीय सम्मेलन आज से, डिजिटल टेक्नोलाजी पर होगी चर्चा

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में सोमवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की शुरुआत जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में होगी। 'रीसेंट एडवांसेज इन सिविल, मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग' पर होने वाले इस सम्मेलन का उद्घाटन तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष पटेल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एसके सिंह और सम्मेलन के अध्यक्ष कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय होंगे। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान होंगे। साथ ही देश-विदेश से आए हुए 50 शोध पत्रों की भौतिक प्रस्तुति एवं 30 शोध पत्रों की आनलाइन प्रस्तुति शिक्षक एवं छात्र करेंगे। डा. हिमाशु पांडेय ने बताया कि पहले दिन मुख्य वक्ता आइआइटी मद्रास के प्रोफेसर एके वर्मा 'प्रोडक्ट डिजाइन' विषय पर विचार रखेंगे। आइईटी लखनऊ के प्रो. कुलदीप सहाय 'डिजिटल टेक्नोलाजी' पर व्याख्यान देंगे। संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के प्रोफेसर पीके सिंह 'टालरेंस एनालिसिस एंड यील्ड एस्टीमेशन में सिमुलेशन' का उपयोग बताएंगे। आइईटी लखनऊ की प्रो. सीतालक्ष्मी नवीकरणीय ऊर्जा पर बात करेंगी। 18 अप्रैल को पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं एक्सपर्ट टाक होगी। सेवानिवृत्त अतिरिक्त महाप्रबंधक, एचएएल लखनऊ इंजीनियर अमिताभ बनर्जी 'इंडस्ट्री 4.0' विषय पर व्याख्यान देंगे।

1862-63 में करवा गया था अयोध्या का सर्वे : फादर आफ इंडियन आर्कियोलाजी कहे जाने वाले अलेक्जेंडर कनिंघम ने बताया था कि अयोध्या का उल्लेख साकेत के रूप में भी हुआ है। उन्होंने 1862-63 में अयोध्या का सर्वे करवाया था। 1889-91 के मध्य ए. फ्यूहरर ने भी अयोध्या का सर्वे किया था।

1969-1970 में हुआ था पुरातात्विक उत्खनन : प्रो. भार्गव के मुताबिक काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अवध किशोर नारायण ने अयोध्या में सबसे पहले सत्र 1969-1970 ई. में पुरातात्विक उत्खनन कर इसे 17वीं शताब्दी ईसा पूर्व से संबंधित बताया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के प्रो. बीबी लाल ने 1975 से 1985 के मध्य रामायण से संबंधित विभिन्न स्थलों जैसे भारद्वाज आश्रम नंदीग्राम (अयोध्या), चित्रकूट और श्रृंगवेरपुर (प्रयागराज) का पुरातात्विक उत्खनन कराया था। 2003 में कनाडा के भौतिक शास्त्री (जियो फिजिसिस्ट) प्लाट रवि लायड ने जीपीआर सर्वे कर बताया था कि 0.5 मीटर से 5.5 मीटर तक की गहराई में विभिन्न संरचनाएं मालूम पड़ी हैं। 2002-03 सत्र में ही यहां पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की तरफ से हरी मांझी और बीआर मणि ने पुरातात्विक उत्खनन कराया। यहां पर हुए पुरातात्विक उत्खनन से कुल 9 सांस्कृतिक कालों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। यहां प्राचीनतम अधिवास उत्तर कृष्ण मार्जित काल का प्राप्त हुआ है। उत्खनन में यहां से उपरोक्त कालों के पाषाण मूर्तियां, अभिलेख, मोहरें एवं मुद्रा छाप और सिक्के आदि प्राप्त हुए हैं।

लवि के आठ छात्र-छात्राओं को मिला प्लेसमेंट

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा हाल ही में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए के आठ छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने बताया कि 10 अप्रैल को सुरजीत फाइनेंस कंपनी ने एमबीए विभाग के स्नेहल राय, विशाल सिंह, सिद्धांत सिंह, मृत्युंजय सिंह, सुचिता त